Maratha Vidya Prasarak Samaj's

Arts, Science and Commerece College, Ozar (MIG)

Course Outcomes

Name of the department : Hindi

Class	Name of the Course: Semester: (Paper):	Name of the Teacher	Outcomes
F. Y. B.A.	सामान्य हिंदी G – I (1097)	डॉ. दीपा दत्तात्रय कुचेकर	1. छात्र हिन्दी के गदय एवं पदय के प्रतिनिधि रचनाकारों से परिचित होतेहै । 2. हिन्दी साहित्य के प्रति छात्रों कि रुचि बढती है| 3. कहानी ,कविता ,एकांकी ,साक्षात्कार , रेखाचित्र आदि विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास किया जाता है । 4. राष्ट्रीय ऐक्य ,सामाजिक उत्तरदायित्व , वैज्ञानिकता आदि मूल्यों के प्रति छात्रों का ध्यान आकर्षित होता है| 5. छात्रों में नैतिक मूल्य ,राष्ट्रीय मूल्य , सामाजिक मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना 6. पारिभाषिक शब्दावली के माध्यम से छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी से परिचय होता है । 7. वाक्य ,शुद्धिकरण आदि के माध्यम से छात्रों कों वर्तनी के नियमों का परिचय होता है|
S. Y. B.A.	कहानी, काव्य एवं लेखन G – II (2097)	डॉ. दीपा दत्तात्रय कुचेकर	1. छात्रों का हिन्दी के प्रतिनिधि कहानीकारों एवं कवियों से परिचय होता है । 2. छात्रों को हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेषताओं को जानकारी मिलती है| 3. छात्रों को हिन्दी के कार्यालयीन एवं व्यवहारिक पत्रों के स्वरूप का ज्ञान होता

Scanned by CamScanner

SCIENCE & COMMERCE COLLEGE ★ ARTS
OZAR
(MIG)
275219

			है। 4. छात्रों को पारिभाषिक शब्द ,विज्ञापन , भेंटवार्ता / साक्षात्कार ,रिपोर्ट लेखन आदि का ,हिंदी भाषा के व्यवहारिक क्षेत्रो को जानकारी प्रप्त होती है। 5. छात्रों को हिंदी शब्द – युग्म ज्ञात होते है। 6. छात्रों कों मानक लिपि एवं भाषा का महत्व ज्ञात होता है। 7. साहित्य सृजन की प्रेरणा मिलती है।
T. Y. B.A.	सृजन संदर्भ और मैं: आत्मकथांश,नाटक तथा लेखन G – III (3097)	डॉ. दीपा दत्तात्रय कुचेकर	1. छात्रों को हिंदी आत्मकथा विधा तथा हिंदी की दीर्घ कविता / काव्य नाटक के विकास तथा उनके स्वरूप का परिचय मिलता है। 2. छात्रों को पारिभाषिक शब्द तथा संक्षिप्तियों के माध्यम से सरकारी कार्यालय में प्रयूक्त की जानेवाली कार्यालयीन हिंदी का परिचय मिलता है। 3. छात्रों को सरकारी पत्रलेखन की पदधति से अवगत होते है। 4. छात्रों को पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं को जानकारी मिलती है। 5. छात्रों में अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करने की कला गुणों का विकास होता है। 6. लेखन गुण विकसित होता है 7. भावनात्मक विकास होता है।

Scanned by CamScanner

ARTS, SCIENCE & COMMERCE COLLEGE ★ OZAR (MIG) 275219

F.Y.B.Com	वैकल्पिक हिंदी Optt. Hindi (1543)	डॉ. दीपा दत्तात्रय कुचेकर	1. पारिभाषिक शब्दावली के माध्यम से छात्रों को वाणिज्य तथा बैंको में प्रयुक्त हिंदी शब्दों का परिचय होता है | 2. पत्रलेखनविज्ञापन लेखन आदि के , माध्यम से छात्रों को भाषा का रचनात्मक पहलू समझ मे आता है | 3. छात्रों को व्यवहारिक हिंदी तथा अंग्रेजी एवं हिंदी पारिभाषिक शब्दावली का परिचय होता है | 4. छात्रों में राष्ट्रीय ऐक्य स्थापना हेतु राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार – प्रसार होता है | छात्रों में पर्यावरण के प्रति सजगता एवं आस्था निर्माण होती है | 5. प्रयोजनमूलक हिंदी का परिचय होता है |
S.Y.B.A.	हिंदी भाषा का विकास S – I (2098)	श्रीमती जयश्री जगन्नाथ पवार	1. छात्रों को भाषा की परिभाषा , विशेषताएँ तथा भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त होती है 2. छात्रों को हिंदी की बोलियों तथा भाषा विकास के प्रमुख वादों का परिचय मिलता है | 3. छात्रों को राजभाषा हिंदी के संवैधनिक स्वरूप तथा राष्ट्रभाषा का प्रचार करनेवाली संस्थाओं को जानकारी मिलती है | 4. छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण होती हें | 5. भाषा विज्ञान के अंगों तथा भाषा विज्ञान की शाखाओं का परिचय होता है | 6. भाषा विज्ञान का अन्य विज्ञानों से संबंध ज्ञात होता है | 7. लिपि के स्वरूप एवं उत्पत्ति का इतिहास , देवनागरी लिपि कीवैज्ञानिकता समझती है |

Scanned by CamScanner

S.Y.B.A	उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य S – II (2099)	डॉ. दीपा दत्तात्रय कुचेकर	1. साहित्यिक विधाओं का परिचय होता है। 2. साहित्य के तत्वों का परिचय होता है। 3. नाटक के अस्वादन की क्षमता विकसित होती है। 4. मध्ययुगीन काव्य के प्रति रूचि निर्माण होती है। 5. विशेष अध्यन के लिए साहित्य का चुनाव होता है। 6. साहित्य के सौन्दर्य पक्ष का ज्ञान होता है 7. अन्य साहित्य को पढने की रूचि निर्माण होती है।
T.Y.B.A.	हिंदी साहित्य का इतिहास S – III (3098)	श्रीमती जयश्री जगन्नाथ पवार	1. साहित्य लेखन किम परंपरा का परिचय होता है। 2. इतिहासकार से परिचित होते है। 3. हिंदी साहित्य की विधात्मक विशेषता ज्ञात होती है। 4. भारतीय साहित्य के संदर्भ स्पष्ट होते है। 5. तथ्यों की जानकारी होती है। 6. तुलनात्मक अध्ययन की प्रुरुती निर्माण होती है।
T.Y.B.A.	काव्यशास्त्र S – IV (3099)	डॉ. दीपा दत्तात्रय कुचेकर	1. छात्रों कों काव्यसाहित्य की , परिभाषाओं द्वारा काव्य के स्वरूप के साथ काव्य हेतु तथा काव्य के प्रयोजनों का ज्ञान कराना 2. छात्रों कों काव्य काव्य के भेद तथा शब्दशक्ति का ज्ञान कराना

SCIENCE & COMMERCE COLLEGE ★ ARTS
OZAR
(MIG)
275219

Scanned by CamScanner

			3. छात्रों कों अलंकारछंदों के स्वरूप के , साथ उनका सोदाहरण परिचय कराना 4. छात्रों कों गद्य – भेदों के साथ नाटक , एकांकी और निबंध के स्वरूप एवं तत्वों 5. छात्रों कों रस का स्वरूपरस के अंगों एवं , भेदों का परिचय देना 6. छात्रों कों आलोचना का स्वरूप , अलोचना की उपयोगिता और आलोचक के गुणोंका ज्ञान होता है। 7. विषय की उपयोगिता समझ में आती है।

H. O. D.

Department of Hindi

Scanned by CamScanner